vkj- ,u- vkbZ- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 14 vad % 29 y[kuÅ] eaxyokj 07 uoEcj 2023 ls 13 uoEcj 2023 rd i"B&8 eY; % ,d :i;k

अयोध्या में दीपोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर तैयारियों का दौर जारी

लखनऊ। अयोध्या में दीपोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर तैयारियों का दौर जारी है। अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव के सफल

आयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहम बैठक ली है। इस बैठक में दीपोत्सव के सुचारू आयोजन, सुविधाओं को लेकर कई अहम मुद्दों पर प्रशासन की तैयारियों का जायजा लिया है। अधिकारियों को संबंधित दिशा निर्देश भी जारी किए है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून व्यवस्था के मद्देनजर ये समय बहुत संवेदनशील है। ऐसे में लगातार सतर्क और सावधान रहना जरुरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सात नवंबर से दीपोत्सव की शुरुआत होने जा रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शांति और सौहार्द के साथ दीपोत्सव संपन्न होना चाहिए। ऐसे में स्थानीय जरुरतों को देखते हुए सभी जरुरी तैयारियां पूरी होनी चाहिए। असामाजिक और शरारती तत्वों के खिलाफ जीरो ट लरेंस प लिसी अपनाई जानी चाहिए और उनके खिलाफ सख्ती बरतनी होगी। जिन्होंने भी माहौल खराब करने की कोशिश की उनके खिलाफ कठोरता बरती जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काह कि अयोध्या का दीपोत्सव कार्यक्रम अपनी भव्यता के लिए सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में छा चुका है। ऐसे में दुनिया भर के पर्यटक इस दीपोत्सव कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए भारत आते है। प्रशासन को ध्यान रखना होगा की दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान गरीमा बनी रहे। बता दें कि वर्ष २०१७ से लगातार दीपोत्सव कार्यक्रम में नए कीर्तिमान बनाए जा रहे है। दीपोत्सव कार्यक्रम में इस वर्ष २१ लाख दीपों को जगमगाया जाएगा। इस आयोजन में दीप, तेल, बाती, स्थान, स्वयंसेवकों की व्यवस्था कर ली गई है। गौरतलब है कि दीपोत्सव सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है, जिसे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के १४ वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की याद के तौर पर माया जाात है। इस दौरान श्रीराम की अयोध्या वापसी, भरत मिलाप, श्रीराम राज्याभिषेक आदि प्रसंगों का प्रतीकात्मक चित्रण किए जाने की भी पूरी व्यवस्था की गई है। दीपोत्सव कार्यक्रम में सरयू मैया की आरती की जाएगी। इस दीपोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी पुहचेंगे।

नहीं चाहती कि हम उनके सहयोगी दल बने : अखिलेश यादव

लखनऊ। गठबंधन के मामले में कांग्रेस और अखिलेश यादव एक नजर नहीं आ रहे हैं। मध्य प्रदेश में बात नहीं बनने के बाद दोनों के अपने–अपने दावे हैं। इन सब के बीच अखिलेश यादव ने एक बार फिर से कांग्रेस पर निशाना साधा है। अखिलेश ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती कि हम उनके सहयोगी दल बने। कटनी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती कि हम उनके सहयोगी दल बने। कांग्रेस के पास मौका था कि वो छोटे दलों को साथ लेकर एक गठबंधन का संदेश दिया जाता लेकिन वो सोचते हैं कि उनके साथ जनता खड़ी है तो अब उन्हें PDA इस बार जवाब देगी। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव २०२३ पर बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि पहले से बेहतर परिणाम आएगा। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बीजेपी ने पिछले कई वर्षों से काम किया है अगर वही जमीनी हकीकत देखे तो चरम सीमा पर महंगाई है बेरोजगारी है. ...और जो न्याय मिलना चाहिए था वो नहीं मिला। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस और बीजेपी ने प्रदेश को उस ऊंचाई पर नहीं पहुंचाया जहां तक पहुंचना चाहिए था। तकरार के बीच अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा था कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी ८० लोकसभा सीटों पर तैयारी कर रही है – एक ऐसा कदम जो संकेत दे सकता है कि इंडिया गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। इससे पहले, सपा ने संकेत दिया था कि वह राज्य में ६५ लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी

और बाकी सीटें अपने सहयोगियों के लिए छोड़ देगी। समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, जो २०२४ में भाजपा से मुकाबला करने के लिए एक साथ आई है। लेकिन यादव का यह बयान कि उनकी पार्टी सभी ८० निर्वाचन क्षेत्रों पर तैयारी कर रही है, यह बताता है कि वह अधिकतम सीटों के लिए अकेले लड़ने या उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के साथ कड़ी बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। यादव ने तब निराशा व्यक्त की जब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में सीटों के बंटवारे से इनकार कर दिया, जहां सपा छह निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ना चाह रही थी। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर एमपी में 'विश्वासघात' का आरोप लगाया।

यूपी के कर्मचारियों को मुख्यमंत्री योगी ने दिया दिवाली गिफ्ट, महंगाई भत्ते में ४ फीसदी की वृद्धि का ऐलान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक महत्वपूर्ण विकास में, राज्य सरकार के कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शैक्षणिक और तकनीकी संस्थानों, नगर निगमों, यूजीसी कर्मचारियों, विभागीय अधिकारियों और पेंशनभोगियों सहित विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को उनके मूल वेतन के ४६: की दर से महंगाई भत्ता मिलेगा। इसके अतिरिक्त, सभी राज्य सरकार के कर्मचारियों (अराजपत्रित), विभागीय अधिकारियों, शिक्षकों, गैर–शिक्षण कर्मचारियों और दैनिक वेतन भोगियों को रू ७,००० की अधिकतम सीमा के साथ ३० दिनों के वेतन के बराबर बोनस देने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पोस्ट किया। उन्होंने लिखा

कि उत्तर प्रदेश के उत्कर्ष में अपना योगदान कर रहे सभी राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी निकायों, UGC कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा पेंशनरों को मूल वेतन के ४६: की दर से महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा। उन्होंने आगे लिखा कि इसी प्रकार, सभी राज्य कर्मचारियों (अराजपत्रित) / कार्य प्रभारित कर्मचारियों, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा दैनिक वेतन भोगी कार्मिकों को ३० दिन की परिलब्धियों के बराबर (उच्चतम सीमा रू ७,०००) बोनस प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। आप सभी को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं!

दिल्ली-एनसीआर में फिर महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, ५.६ रही तीव्रता

नई दिल्ली। सोमवार शाम दिल्ली–एनसीआर और लखनऊ क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके नेपाल में भी महसूस किये गये। हिमालयन काउंटी में ५.६ तीव्रता के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोल जी का कहना है कि नेपाल में आज शाम १६:१६ बजे रिक्टर पैमाने पर ५.६ तीव्रता का भूकंप आया। ताजा झटके नेपाल में आए ६.४ तीव्रता के भूकंप के कुछ दिनों बाद महसूस किए गए, जिसमें १५० से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। नेपाल में शुक्रवार रात ६.४ तीव्रता का जोरदार भूकंप आया, जिसके झटके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। रात करीब ११ बजकर ३२ मिनट पर आए भूकंप के कारण लोगों को अपने घरों से

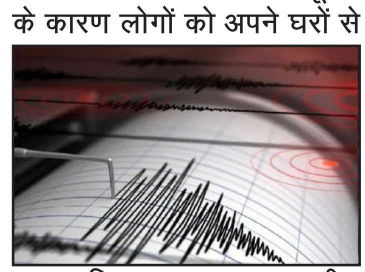

बाहर निकलना पड़ा। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान (एनसीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र नेपाल में अयोध्या से लगभग २२७ किलोमीटर उत्तर और काठमांडू से ३३१ किलोमीटर पश्चिम उत्तर–पश्चिम में १० किलोमीटर की गहराई में था।

सम्पादकीय

शर्म का अहसास होना लाजिमी है।

आज शर्म का अहसास होना लाजिमी है कि अमेरिका में अवैध रूप से घुसने के दौरान पकड़े जाने वाले भारतीयों की संख्या में पांच गुना तक उछाल आया है। जाहिर है, अनेक ऐसे लोग अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर जाते होंगे। यानी भारत से इस रूप में अमेरिका जाकर बसने की कोशिश करने वाले लोगों की संख्या असल में उससे कहीं ज्यादा है, जितनी अभी आधिकारिक तौर पर बताई गई है। अमेरिका के कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक एक साल में ९६,९१७ भारतीय नागरिकों को अमेरिका में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करते पकड़ा गया। यह आंकड़ा अक्टूबर २०२२ से सितंबर २०२३ के बीच की अवधि का है। आंकड़ों के मुताबिक यह एक नया रिक र्ड है और तीन साल पहले के आंकड़ों में पांच गुना उछाल है। २०१९–२० में ऐसे लोगों की संख्या सिर्फ १९,८८३ थी। ताजा मामलों में ४१,७७० भारतीय मेक्सिको की सीमा से पकड़े गए और ३०,०१० कनाडा की सीमा से। बाकी लोगों को अमेरिका में घुसने के बाद पकड़ा गया। अनुमान लगाया जा सकता है कि इस रूप में जिन लोगों ने अमेरिका जाने की कोशिश की, वे साधन संपन्न नहीं होंगे। वरना, वे वीजा लेकर वहां जाते। अमेरिका की एक योजना के मुताबिक ढाई लाख डॉलर का निवेश की योजना रखने वाले लोगों को वहां स्थायी निवास का वीजा तुरंत मिल रहा है। हाल में आई खबरों के मुताबिक भारत के उच्च आय वर्ग के लोगों (सालाना आमदनी दस लाख डॉलर) के भी भारत की नागरिकता छोड़ने की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। ऐसे अधिकांश लोग विकसित देशों में जाकर बसते हैं, हालांकि उनमें से कुछ लोग उन देशों की नागरिकता भी लेते हैं, जिन्हें टैक्स हैवन (कर चोरी के अड्डे) कहा जाता है। तो प्रश्न है कि अति धनी और साधन विहीन दोनों तरह के लोगों का भारत से भरोसा क्यों टूट रहा है? उन्हें अपने लिए यहां बेहतर अवसर क्यों नजर नहीं आते? विडंबना ही है कि ऐसा "अमृत काल" में हो रहा है, जब २५ साल के अंदर विकसित देश बनने की यात्रा शुरू हो चुकी है!

69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने किया भाजपा प्रदेश मुख्यालय का घेराव

लखनऊ। ६९००० शिक्षक भर्ती में हुई आरक्षण की विसंगति में संशोधन के बाद नियुक्ति न मिलने से नाराज चयनित ६८०० आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने सोमवार को एक बार फिर भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन किया है। जिससे यातायात बाधित हो गया। अभ्यर्थियों का हंगामा बढ़ने पर पहुंची पुलिस ने उन्हें जबरन हिरासत में लिया। बाद में इन सभी अभ्यर्थियों को इको गार्डन भेज दिया गया है। दरअसल, ६९००० शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में हुई विसंगति के कारण नियुक्ति पाने से वंचित आरक्षित वर्ग के करीब १०० अभ्यर्थी सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर पहुंच गये और प्रदर्शन करने लगे। अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग को लेकर भाजपा नेतृत्व से मिलने की कोशिश कर रहे थे। प्रदर्शन के कारण विधानसभा के मुख्य मार्ग पर आवागमन ठप हो गया। वहीं प्रदर्शन की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि ६९००० शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले के कारण उनकी नियुक्ति नहीं हो सकी जबकि सरकार ने विसंगति को दूर करते हुए ६८०० आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की एक चयन सूची जारी कर नियुक्ति देने की बात कही थी। मंत्री और अधिकारी बार–बार मुलाकात में केवल आश्वासन देते हैं लेकिन मामले को निस्तारित नहीं कर रहे जिस कारण यह प्रदर्शन किया जा रहा है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे विजय यादव और अमरेंद्र पटेल ने कहा की ६९००० शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करने में घोर अनियमितता बरती गई। जिस कारण आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नौकरी से वंचित कर दिया गया। इस संबंध में कई बार आंदोलन के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया और विसंगति दूर करते हुए पीड़ित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति दिए जाने आदेश अधिकारियों को दिया था, जिसके आधार पर बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विसंगति को सुधारने के उपरांत ६८०० आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का वादा करते हुए एक सूची जारी की गई, लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिल सका। हमारी मांग है की सरकार इस मामले का त्वरित समाधान निकाले और सभी ६८०० चयनित आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का हक अधिकार देते हुए उनकी नियुक्ति करें।

राज्य कर्मचारियों को सीएम योगी ने दिया दिवाली पर तोहफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कर्मचारियों के लिए मूल वेतन के ४६ प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता और ३० दिनों की बोनस की सोमवार को घोषणा की। सभी गैर राजपत्रित राज्य कर्मचारियों के लिए बोनस की अधिकतम सीमा ७,००० रुपये निर्धारित की गयी है। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, "उत्तर प्रदेश के उत्कर्ष में अपना योगदान कर रहे सभी राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी निकायों, यूजीसी कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मूल वेतन के ४६

प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा।" उत्तर प्रदेश के उत्कर्ष में अपना योगदान कर रहे सभी राज्य कर्मचारियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थाओं, शहरी निकायों, UGC कर्मचारियों, कार्य प्रभारित कर्मचारियों तथा पेंशनरों को मूल वेतन के ४६ः की दर से महंगाई भत्ता प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा, "इसी प्रकार, सभी राज्य कर्मचारियों (अराजपत्रित,कार्य प्रभारित कर्मचारियों, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा दैनिक वेतन भोगी कार्मिकों को ३० दिन की परिलब्धियों के बराबर) बोनस प्रदान करने का निर्णय किया गया है जिसकी उच्चतम सीमा ७,००० रुपये है।" योगी आदित्यनाथ ने राज्य के लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं।

स्वामी प्रसाद मौर्य को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बड़ी सीख

लखनऊ। रामचरित मानस के कुछ अंशों को उठाकर उस पर विवादित टिप्पणी करने और उसकी प्रतियां जलाने के मामले में सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बड़ी सीख दी है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी ग्रंथ या अभिलेख में दिए गए कथन को सही परिप्रेक्ष्य में पढ़ा जाना चाहिये और कहीं से भी कोई एक अंश बिना संपूर्ण संगत तथ्यों के रखना सत्य कथन नहीं कहा जा सकता है और कुछ परिस्थितियों में ऐसा कथन असत्य भी हो सकता है। बता दें कि न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह टिप्पणी स्वामी की याचिका को खारिज करने वाले अपने निर्णय में किया है। सपा नेता की ओर से दाखिल उक्त याचिका में प्रतापगढ़ के कोतवाली सिटी में दर्ज FIR की विवेचना

के उपरांत दाखिल आरोप पत्र व निचली कोर्ट द्वारा संज्ञान लिए जाने संबंधी आदेश को चुनौती दी गई थी। उक्त याचिका ३१अक्टूबर को ही खारिज हो गई थी, हालांकि इसका विस्तृत निर्णय सोमवार को जारी किया गया है। गौरतलब है कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के अधिवक्ता ने ये दलील दी थी कि उन्होंने राम चरित मानस की चौपाइयों को सिर्फ उद्धत किया है और जिन चौपाइयों को उन्होंने बोला है वो मानस में मौजूद हैं लिहाजा उन्होंने कोई असली बात नहीं कही थी। जिस के उत्तर में कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। बता दें कि कोर्ट ने स्वामी प्रसाद मौर्य की रामचरितमानस पर उनकी कथित विवादास्पद टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ दर्ज मामले में आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट की तरफ से स्वामी प्रसाद के लिए ये बड़ा झटका माना जा रहा है।

धरना–प्रदर्शन कर बोले कर्मचारी– मुख्यमंत्री की बात भी नहीं मान रहे अधिकारी

लखनऊ। सिचाई विभाग के प्रमुख अभियन्ता कार्यालय पर सोमवार को ट्यूबेल टेक्निकल इम्पलाईज एसोसिएशन सिंचाई और जल संससाधन विभाग में कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन भी सौंपा। संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार त्यागी ने बताया कि विभाग द्वारा लगभग १८ माह से मांगों पर कोई कार्रवाई न कर लटकाया जा रहा है और शासनादेशों का उल्लंघन कर विभाग के तकनीकी कर्मचारियों को मुकदमेबाजी में उलझाया जा रहा है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के महामंत्री अतुल मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना कर कर्मचारियों की जायज माँगो को पूरा नहीं कर रहे जिससे कर्मचारी सरकार से नाराज है।उन्होंने सबको आश्वसत किया कि परिषद उनकी माँगो को पूर्ण कराने में अग्रज भूमिका निभाएगी। संघ के प्रान्तीय महामंत्री राजपाल वर्मा ने आक्रोश व्यक्त किया कि अवर अभियंता सेवा

नियमावली–२०१८ में यह व्यवस्था की गयी है कि नलकूप मिस्त्रियों का कोटा २४ः से २६ः कर दिया जाए। यह नियमावली शासन में पड़ी हुई है। लेकिन आज तक विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। संघ के प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि अवर अभियंता यांत्रिक के पद पर पात्र अभ्यर्थियों की पदोन्नति यथाशीघ्र कराकर पद स्थापित कराया जाए। संघ के प्रान्तीय सम्प्रेक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि विभाग में पदोन्नति के पद उपलब्ध होने के बाद भी कनिष्ठ वर्ग के कर्मचारियों का कई साल से पदोन्नति नहीं किया गया जबकि शासन का स्पष्ट निर्देश है कि पदोन्नति के कोई पद रिक्त न छोड़ जाए। संघ के प्रान्तीय कोषाध्यक्ष विनोद सिंह ने अपने नाराजगी व्यक्त करते हुए बताया कि अधीक्षण अभियंताओं / अधिशासी अभियंताओं द्वारा नलकूपों के अनुरक्षण के लिए आवश्यक सामान घटिया व गुणवत्ताहीन खरीद कर उपलब्ध कराया जा रहा है। धरने में मण्डल अध्यक्ष बृजेश सिंह, हजारी लाल वर्मा, संतोष पाण्डये, अशोक प्रधान, नेत्रपाल सिंह, सत्यवीर शर्मा, छत्रशाल सिंह, विजय बहादुर सिंह सहित अनेक मण्डल मंत्री, जिला अध्यक्ष, जिला मंत्री व प्रान्तीय कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत सभी पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने त्योहारों के मद्देनजर ली अहम बैठक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आने वाले त्योहारों के मद्देनजर अधिकारियों को कानून–व्यवस्था बनाए रखने के जरूरी निर्देश दिये हैं, उन्होंने आला अधिकारियों को अयोध्या दीपोत्सव कार्यक्रम को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी है। मुख्यमंत्री ने रविवार रात अपने सरकारी आवास पर बुलाई एक अहम बैठक में साफतौर पर कहा कि अयोध्या दीपोत्सव की भव्यता निहारने बड़ी संख्या में श्रद्धालुजनों के साथ अनेक गणमान्य जनों की उपस्थिति होगी। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए। भगदड़ की स्थिति न बने, गलती की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस साल २१ लाख दीपों से अवध्पुरी जगमग होगी। इसके लिए दीप, तेल, बाती, स्थान, स्वयंसेवकों आदि की पुख्ता व्यवस्था कर ली जाए। चार देशों और २४ प्रदेशों की रामलीलाओं का मंचन होगा। ऐसे आयोजनों की भव्यता में कोई

कमी न हो। योगी ने कहा कि अयोध्या में जगह–जगह पर समारोह का सीधा प्रसारण किया जाना चाहिए, ताकि अधिकाधिक जन दीपोत्सव से जुड़ सकें। मुख्य समारोह संपन्न होने के बाद लोग आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें, इसके लिए समुचित प्लानिंग कर ली जाए। महिलाओं, बच्चों और विदेशी कलाकारों को सुरक्षित घर तक पहुंचाने की व्यवस्था हो। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के मुताबिक, हर पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ जीरो ट लरेंस की नीति के साथ कड़ाई से पेश आएं। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए। मुख्यमंत्री के साथ बैठक में प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी विजय कुमार, एसडीजी एलओ प्रशांत कुमार शामिल रहे। इसके अलावा प्रदेशभर के पुलिस कमीश्नर, आईजी, डीआईजी, डीएम, एसएसपी डिजीटली शामिल रहे।

हीरालाल सामरिया ने मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ली

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया को सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाई। यह पद वाई. के. सिन्हा का कार्यकाल तीन अक्टूबर को समाप्त हो जाने के बाद रिक्त हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान सामरिया को पद की शपथ दिलाई। सामरिया की मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति के बाद सूचना आयुक्त के आठ पद रिक्त हैं। आयोग में इस समय दो सूचना आयुक्त हैं। आरटीआई मामलों के सर्वोच्च अपीलीय प्राधिकरण केंद्रीय सूचना आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त और अधिकतम १० सूचना आयुक्त हो सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) और राज्य सूचना आयोगों (एसआईसी) में रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाने का केंद्र एवं राज्य सरकारों को निर्देश देते हुए ३० अक्टूबर को कहा था कि ऐसा नहीं होने पर सूचना का

अधिकार कानून 'निष्प्रभावी' हो जाएगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को राज्य सूचना आयोगों में मंजूर पदों, रिक्तियों और वहां लंबित मामलों की कुल संख्या सहित कई पहलुओं पर सभी राज्यों से सूचना एकत्र करने को कहा था।

अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली में भी लाखों की संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद

लखनऊ। अयोध्या के दीपोत्सव के बाद काशी की देव दीपावली में भी लाखों की संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है, ऐसे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देव दीपावली पर वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की सुरक्षा संबंधित तैयारियों की समीक्षा की है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस बार देव दीपावली पर पांच लाख से ज्यादा पर्यटकों के आने का अनुमान है। इसे देखते हुए काशी को अभेद्य किला बनाने की कवायद अभी से शुरू कर दी गई है। काशी के ८४ घाटों को ६ जोन, ११ सेक्टर और ३२ सब सेक्टर में बांटकर सुरक्षा–व्यवस्था का पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन और जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि काशी में देव–दीपावली के दौरान सात घाटों पर सबसे ज्यादा भीड़ उमड़ने की संभावना है। इनमें अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, अहिल्याबाई घाट, राजघाट, चेतसिंह घाट, नमो घाट और पंचगंगा घाट शामिल हैं। घाटों की सुरक्षा के लिए पहले से ही पूरा प्लान वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने तैयार कर रखा है। साथ ही घाटों से लगने वाली संकरी गलियों में भी बड़े स्तर पर फोर्स का डिप्ल यमेंट किया जाएगा। इसके अलावा अत्यधिक भीड़ वाले घाटों पर क्विक रिस्प न्स टीम (क्यूआरटी) की २० टीमें तैनात रहेंगी। साथ ही ११ विशेष टीमें लाउडहेलर के साथ घाटों पर पेट्रोलिंग के लगाई जाएंगी। इतना ही नहीं काशी के १७ प्रमुख घाटों पर एंटी रोमिया स्क्व ड की टीमें भी होंगी साथ ही साथ हर घाट पर महिला पुलिसकर्मियों की टीम भी मौजूद रहेगी। इसके अलावा १६ गोताखोरों का दस्ता नदी में डूबने से बचाव के लिए उपलब्ध रहेगा। मुख्यमंत्री को बताया गया कि देव दीपावली पर पर्यटकों को घाटों के दिव्य–भव्य नजारे को दिखाने के लिए गंगा में लगभग १२०० नौकाएं संचालित होंगी। इसे लेकर नाविकों के साथ पहले ही बैठक पूरी कर ली गई है और उन्हें आवश्यक दिशानिर्देश भी दे दिये गये हैं। इसके अलावा भीड़ प्रबंधन के लिए शहर के पांच स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग की जाएगी। इनमें मैदागिन, अस्सी, गोदौलिया, भदऊ चुंगी और रामापुरा में बैरिकेडिंग की जाएगी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए ११ पिंक बूथ होंगे। वहीं ७ स्थानों राजघाट, नमोघाट, रामनगर के हनुमान मंदिर, बंगाली टोला इंटर क लेज, डुमराव बाग, गोदौलिया चौराहा और रामापुरा चौराहा पर इंटीग्रेटेड इमरजेंसी हेल्पडेस्क भी स्थापित किये जाएंगे। इनमें चिकित्सा, पुलिस, ट्रैफिक, फायर ब्रिगेड, संचार कर्मी और खोया पाया के लिए सहायताकर्मी भी होंगे। इसके अलावा देव दीपावली पर काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए भी अलग से सुरक्षा रणनीति बनाई गई है। देव दीपावली पर काशी की अभेद्य सुरक्षा के लिए एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड की टीमों की भी तैनाती होगी। सादे वेश में इंटेलिजेंस के जवान भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा दशाश्वमेध घाट और राजघाट पर एनडीआरएफ और नगर निगम की ज्वाइंट टीमें जल एंबुलेंस के साथ मौजूद रहेंगी। साथ ही साथ जल पुलिस की पांच टीमें भी लगातार गंगा नदी में पेट्रोलिंग करती रहेंगी। इनमें ड्रैगन लाइट, लाउड हेलर, बचाव उपकरण और वायरलेस सेट की उपलब्धता रहेगी।

तेज रफ्तार स्कूली बस अनियंत्रित होकर पलटी

लखनऊ। राजधानी स्थित बख्शी का तालाब में सोमवार को एक स्कूल बस पटल गई। हादसे में कई बच्चे घायल हो गये हैं। यह हादसा बस के अनियंत्रित होने से हुआ है। दरअसल, एक स्कूल बस बीकेटी स्थित भीखा पुरवा के पास से गुजर रही थी। बताया जा रहा है कि बस की रफ्तार तेज थी, जैसे ही बस भीखा पुरवा स्थित मोड़ पर पहुंचती है, वह अनियंत्रित हो गई। तेज रफ्तार होने के कारण चालक बस को नियंत्रित नहीं कर पाया। जिससे बस पलट जाती है और उसमें बैठे बच्चे घायल हो गए। घटना की

जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। वहीं घटना स्थल पर बच्चों के परिजन भी पहुंच गये हैं। परिजनों ने चालक की लापरवाही की बात बताते हुये पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। लोगों की मांग थी कि स्कूल प्रशासन की लापरवाही भी इस मामले में साफ नजर आ रही है, ऐसे में स्कूल प्रशासन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं बीकेटी पुलिस ने बताया है कि स्कूल के पास ही बस पलट गई थी। कोई शिकायत नहीं मिली है।

झांसा देकर दंपती ने आधा दर्जन लोगों के नाम लिया कर्ज, मिली नोटिस तो मचा हड़कंप

लखनऊ। दंपती ने कई महिलाओं को झांसे में लेकर उनकी प्रापर्टी के कागजात हासिल कर बैंक से करोड़ों का कर्ज ले लिया। बैंक की नोटिस मिलने पर पीड़ितों को ठगे जाने का पता चला। तहरीर पर पुलिस ने आरोपी दंपत्ति के

खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ठाकुरगंज थाने के झाखड़ बाग निवासी शहनवाज अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मध्वापुर निवासी संजय अग्निहोत्री व उनकी पत्नी स्नेहा ने बंधन बैंक नाम से संस्था बनाई। आरोप है कि संस्था से जोड़ने के नाम पर शहनवाज समेत आधा दर्जन लोगों की प्रापर्टी के मूल कागजात व गहने और नकदी हासिल कर। बैंकों से करोड़ों रुपये कर्ज ले लिया। अब बैंक ने सभी लोगों को कर्ज रिकवरी का नोटिस भेजा है। पीड़ितों में गीता पत्नी संतोष पाल, कंचन पत्नी गोविन्द चौरसिया, रंजीता पाल पत्नी मनोज पाल, सरिता पाल पत्नी नरेश पाल, पुष्पा पत्नी अनिल चौरसिया, गुड्डी पत्नी स्व. रामप्रसाद, कुसुमा पत्नी रमेश, आसी पत्नी निश्चल, निवासीगण फरीदीपुर, दुबग्गा समेत अन्य शामिल हैं। जबकि आरोपी दंपति मोहल्ला छोड़ कर रफूचक्कर हो गए। इंस्पेक्टर विकास राय ने बताया संजय व स्नेहा के खिलाफ धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सपा सहित कई दलों के नेताओं ने ज्वाइन की कांग्रेस

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता रवि प्रकाश वर्मा ने सोमवार को अपनी बेटी डॉ. पूर्वी के साथ कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान पीस पार्टी और एआईएमआईएम के नेताओं ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सभी का दिल से स्वागत करते हैं हमारी पार्टी समाज के हर तबके के हितों की रक्षा के लिए काम करती है। बता दें कि राजधानी लखनऊ स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में सपा के महासचिव और पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता दिलाई। वहीं उन्होंने रवि प्रकाश वर्मा का गले लगाकर स्वागत किया। इस दौरान रवि प्रकाश वर्मा की बेटी और सपा की पूर्व नेता ड पूर्वी वर्मा भी मौजूद रहीं। कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद रवि प्रकाश वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी अब अपने समाजवाद के सिद्धांतों से भटक गई है। समाजवादी पार्टी में पूंजीवादी व्यवस्था हावी हो गई है। उन्होंने कहा कि हम सभी ने कड़ी मेहनत और कठिन परिश्रम करके साइकिल के निशान को उत्तर प्रदेश के कोने–कोने में पहुंचाया। लेकिन, इतना संघर्ष करने के बाद अब सपा में काम करना मुश्किल हो रहा है। वहीं उन्होंने समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव को याद करते हुए कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद अब सपा में मेहनती लोगों के साथ आम जनमानस की आवाज उठाने वालों के लिए जगह नहीं बची है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

जीएसटी और नोटबंदी से छोटे व्यापारियों तथा अन्य लोगों को गंभीर समस्याएं हुई : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को आरोप लगाया कि जीएसटी और नोटबंदी ने छोटे व्यापारियों तथा अन्य नागरिकों को गंभीर रूप से परेशान किया है, इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों के लिये होने वाले मतदान से पहले लोगों से उनकी पार्टी की ओर से किये गये वादों और उनके कार्यान्वयन के बारे में जागरूकता का स्तर बढ़ाने का आग्रह किया। मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल धार जिले के कुक्षी शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका ने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी इकाइयों (पीएसयू) के निजीकरण समेत सरकार की आर्थिक नीतियों के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, ''(केंद्र) सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को बंद कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप भयंकर बेरोजगारी हुई है। इसके बाद उन्होंने नोटबंदी लागू किया और फिर जीएसटी थोप दिया। जीएसटी ने छोटे व्यापारियों सहित सभी को परेशान किया है, जिसके कारण महंगाई बढ़ी है। उन्होंने दावा किया, जीएसटी हर चीज पर लागू है जिसके कारण छोटे व्यापारियों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके कारण भारी महंगाई और बेरोजगारी हुई है। लोगों को हर चीज पर जीएसटी देना पड़ता है, यहां तक कि त्योहारों के दौरान छोटी–छोटी चीजों पर भी।'' केंद्र पर हमला करते हुए, प्रियंका ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को मुफ्त में उद्योगपतियों को दिया जा रहा है, चाहे वह भेल, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह आदि ही क्यों न हों, इस कार्रवाई से देश में बेरोजगारी पैदा हो रही है। प्याज की बढ़ती कीमतों की ओर इशारा करते हुए, कांग्रेस नेता ने भीड़ से कहा कि एक समय प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी मजाक उड़ाते थे कि (बल्लेबाजी के दिग्गज) सचिन (तेंदुलकर) पहले शतक बनाएंगे या प्याज (१०० रुपये प्रति किलोग्राम का)। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा, ''अब विराट (कोहली जिन्होंने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप मैच में शतक बनाया था) और प्याज दोनों ने शतक बनाए हैं। अब आपको क्या कहना है। प्रधानमंत्री पर आगे हमला करते हुए, गांधी ने दावा किया कि वह यात्रा के लिए कुल मिलाकर १६,००० करोड़ रुपये के दो विमानों का इस्तेमाल करते हैं और महंगे सूट पहनते हैं। उन्होंने

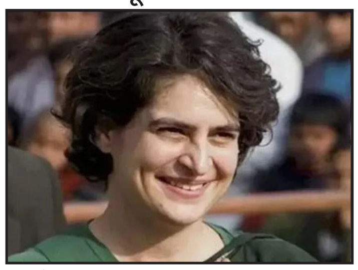

आरोप लगाया कि जहां किसान प्रति दिन केवल २७ रुपये कमा रहे हैं, वहीं उद्योगपति गौतम अडाणी सरकार की मदद से प्रति दिन १,६०० करोड़ रुपये कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री पर उन्होंने यह हमला एक रैली में उनकी टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से नोटिस मिलने के कुछ दिनों बाद किया है। उन्होंने अपनी टिप्पणी में कहा था कि मोदी द्वारा एक मंदिर को दिए गए लिफाफे में दान के रूप में सिर्फ २१ रुपये थे। उस समय, उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने टीवी पर समाचार देखा था और वह नहीं जानती थी कि यह सच है या नहीं। उन्होंने आरोप लगाया, अडाणी जी सरकार की मदद से प्रतिदिन १६०० करोड़ रुपये कमा रहे हैं जबकि एक किसान प्रतिदिन केवल २७ रुपये कमा रहा है।'' उन्होंने कहा, मोदीजी लाखों रुपये के सूट पहनते हैं। उन्होंने १६,००० करोड़ रुपये के दो हवाई जहाज खरीदे हैं। आपने (मोदी) संसद के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण (नए संसद परिसर का एक स्पष्ट संदर्भ) के लिए २०,००० करोड़ रुपये खर्च किए हैं।'' प्रियंका ने कहा कि पिछले ७० साल से संसद ठीक चल रही थी और यदि मरम्मत की आवश्यकता थी, तो इसे पूरा किया जाना चाहिए था। उन्होंने रैली में कहा, ''केंद्र सरकार ऊंची इमारतें बना रही है, लेकिन फिर कहती है कि उसके पास किसानों का बकाया चुकाने या उनका कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं '' कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि सरकार ने आगामी विधानसभा चुनावों के कारण एलपीजी सिलेंडर की कीमतें कम की हैं लेकिन पिछले कई सालों से सत्ता में रहने के बावजूद उन्होंने पहले ऐसा नहीं किया। उन्होंने पूछा, शिवराज सिंह चौहान सरकार ने अपने लंबे शासन के दौरान २२,००० से अधिक घोषणाएं की, लेकिन क्या उन्होंने उनमें से २२ को भी पूरा किया है।'' कांग्रेस महासचिव ने लोगों से मतदान से पहले जागरूकता का स्तर बढ़ाने और स्वयं यह देखने को कहा कि क्या अन्य राज्यों में कांग्रेस सरकारों ने महिलाओं को १,५०० रुपये प्रति माह, ५०० रुपये में सिलेंडर और पुरानी पेंशन योजना को फिर से शुरू करने जैसी चुनावी गारंटी लागू की है। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से इन वादों के बारे में आश्वस्त होने के बाद आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को वोट देने के लिए कहा। मध्यप्रदेश में १७ नवंबर को मतदान होगा जबकि तीन दिसंबर को मतों की गिनती होगी।

इजराइली बलों ने उत्तरी गाजा को दक्षिण से अलग किया, फलस्तीनी मृतकों की संख्या 10 हजार से अधिक हुई

नई दिल्ली। इजराइली सेना ने बीती रात हमास शासित गाजा के उत्तरी हिस्से को दक्षिणी हिस्से से अलग करके ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इस बीच, एक महीने से जारी युद्ध में मारे गए फलस्तीनी लोगों की कुल संख्या १० हजार से अधिक हो गई। घनी आबादी वाले गाजा शहर मेंइजराइली सैनिकों की जमीनी कार्रवाई के चलतेइससे भी अधिक खूनी दौर शुरू होने की आशंका है। फलस्तीनियों ने एक दिन पहले दक्षिण गाजा में हुए हमलों में मारे गए दर्जनों लोगों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया इजराइली मीडिया ने कहा कि सैनिक जल्द ही गाजा शहर में दाखिल हो सकते हैं और शहरी इलाकों में लड़ाई छिड़ने से मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। इजराइल में १,४०० से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई। इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है। इजराइली सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने कहा, "हम उनके करीब पहुंच रहे हैं। हमने घेराबंदी पूरी कर ली है और हमास के गढ़ गाजा को उत्तर और दक्षिण में विभाजित कर दिया है।" सेना ने सोमवार को कहा कि विमानों ने रात भर ४५० लक्ष्यों पर हमला किया और जमीनी कार्रवाई में शामिल सैनिकों ने हमास के एक परिसर को अपने कब्जे में कर लिया है। सेना के अनुसार, गाजा शहर और उत्तर के अन्य हिस्सों में रहने वाले हजारों फलस्तीनियों के लिए दक्षिण की ओर जाने के लिए एक–तरफ से गलियारा खुला हुआ है। इन हमलों में गाजा में १५ लाख से अधिक फलस्तीनी विस्थापित हुए हैं। इसके अलावा गाजा में कम से कम २४१ लोगों को बंधक बनाया गया है। गाजा में लोग भोजन, दवाइयों,

ईंधन और पानी की कमी से जूझ रहे हैं और उन्हें पर्याप्त मानवीय मदद नहीं पहुंच पा रही। हमलों के खिलाफ प्रदर्शनों और इसे रोके जाने की अपीलों के बावजूद इजराइल ने हमास के लड़ाकों और उनकी संपत्तियों को नष्ट करने के लक्ष्य से पूरे गाजा में बमबारी जारी रखी है। इजराइल ने हमास पर आम नागरिकों का मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। अमेरिका ने आम नागरिकों को राहत देने के लिए इजराइल से कुछ वक्त के लिए हमले रोकने की अपील की थी, लेकिन इजराइल का कहना है कि वह गाजा में हमास शासकों को कुचलने के लिए अपने हमले जारी रखेगा। इजराइल का कहना है कि जब तक हमास बंधकों को रिहा नहीं कर देता, तब तक हमले जारी रहेंगे। इजराइल–हमास युद्ध में हजारों फलस्तीनी नागरिकों की मौत की निंदा कर रहे अरब नेताओं ने शनिवार को तत्काल संघर्ष–विराम पर जोर दिया, जबकि अमेरिका के विदेश मंत्री ने आगाह किया कि ऐसा कदम प्रतिकूल होगा तथा इससे आतंकवादी समूह को और हिंसा करने के लिए बढ़ावा मिलेगा। पुलिस और घटनास्थल पर मौजूद 'द एसोसिएटेड प्रेस' के एक पत्रकार के अनुसार, बढ़ती अशांति के बीच एक फलस्तीनी व्यक्ति ने पूर्वी यरुशलम में इजराइल के अर्धसैनिक सीमा पुलिस के दो सदस्यों को चाकू मारकर घायल कर दिया, जिसके बाद इजराइली बलों ने उसे गोली मार दी। इजराइल ने १९६७ के युद्ध में गाजा और वेस्ट बैंक के साथ पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। ज र्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय ने सोमवार तड़के बताया कि उनके देश के एक सैन्य मालवाहक विमान ने उत्तरी गाजा के एक अस्पताल में चिकित्सा सहायता पहुंचाई। ऐसा प्रतीत होता है कि गाजा में पहली बार विमान के जरिए मदद मुहैया कराई गई है। अभी तक गाजा के साथ लगती मिस्र की सीमा के जरिए जमीनी मार्ग से ही मदद उपलब्ध कराई जा रही थी। उत्तरी गाजा में स्थिति गंभीर बनी हुई है और लगभग ८,००,००० लोगों ने दक्षिणी गाजा जाने के इजराइली सैन्य आदेशों का पालन किया। बहरहाल, इजराइल ने तथाकथित सुरक्षित क्षेत्र मध्य और दक्षिणी गाजा में भी रविवार को हमले किए, जिनमें कम से कम ५३ लोग मारे गए। इजराइली सेना ने रविवार देर रात कहा कि उसने हमास के खिलाफ जारी युद्ध के तहत गाजा सिटी की घेराबंदी कर तटीय पट्टी को दो भागों में विभाजित कर दिया है। इजराइली सेना के रियर एडमिरल डेनियल हैगारी ने संवाददाताओं से कहा, ''अब उत्तर गाजा और दक्षिण गाजा को विभाजित कर दिया गया है।'' उन्होंने इसे गाजा पर शासन कर रहे हमास के आतंकवादियों के खिलाफ इजराइल के युद्ध में ''अहम चरण'' बताया। उत्तरी गाजा में रात भर विस्फोट जारी रहे। गाजा में रविवार को तीसरी बार संचार सेवा फिर से ठप हो गई। इंटरनेट तक पहुंच का समर्थन करने वाले समूह 'नेटब्ल क्सड टओआरजी' ने गाजा में ''कनेक्टिविटी'' (संचार सेवा) ठप होने की जानकारी दी और फलस्तीनी दूरसंचार कंपनी 'पालटेल' ने भी इसकी सूचना दी। संचार सेवा ठप हो जाने के कारण सैन्य अभियान के नए चरण की जानकारी लोगों तक पहुंचाना जटिल हो गया है। इससे पूर्व भी गाजा में पहले ३६ घंटे और दूसरी बार कुछ घंटे संचार सेवा ठप रही थी। 'नेटब्ल क्स' और 'पालटेल' ने बताया कि मोबाइल एवं इंटरनेट सेवा सोमवार को बहाल हो गईं। इससे पहले, इजराइल के युद्धक विमानों ने मध्य गाजा पट्टी में रविवार को दो शरणार्थी शिविरों पर हमला किया, जिसमें कम से कम ५३ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मध्य गाजा के ब्यूरिज शरणार्थी शिविर में एक स्कूल के पास एक मकान पर भी हवाई हमला किया गया। अल–अक्सा अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि इस हमले में कम से कम १३ लोगों की मौत हो गई। इस शिविर पर बृहस्पतिवार को भी हमला हुआ था। इजराइल–हमास संघर्ष पर अपनी पश्चिम एशिया कूटनीति के तहत अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक के रामल्ला का दौरा किया और फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत के बाद, ब्लिंकन ने शनिवार को ज र्डन में अरब देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि जब तक हमास द्वारा बंधक बनाए गए सभी बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक कोई अस्थायी संघर्ष–विराम नहीं हो सकता।

राम मंदिर का निर्माण, भारत के भीतर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ/सुकमा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के अंदर राम राज्य की उद्घोषणा

की शुरुआत है, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। छत्तीसगढ़ के कोंटा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर राज्य में 'लव जिहाद' और धर्मांतरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। सुकमा जिले की कोंटा सीट उन २० विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां पहले चरण में मतदान होगा। राज्य के ९० सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में २० सीटों पर तथा अन्य ७० सीटों पर १७ नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा। पहले चरण के लिए प्रचार रविवार शाम को समाप्त हो जाएगा। योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण जनवरी में पूरा हो जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश से अधिक छत्तीसगढ़ के लोगों को खुश होना चाहिए क्योंकि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के अंदर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है।'' उन्होंने कहा, ''राम राज्य का अर्थ है ऐसा शासन जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। योजनाओं का लाभ गरीबों, वंचितों, आदिवासियों सहित हर व्यक्ति तक पहुंचे। योजना का लाभ सभी तक सीधे पहुंचना चाहिए। सभी को सुरक्षा, सुविधाएं और संसाधनों पर अधिकार मिले, यही राम राज्य है।'' योगी ने केंद्र सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''याद रखें, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वास्तव में पिछले साढ़े नौ वर्षों में पूरे देश में राम राज्य की नींव रखी है।'' योगी आदित्यनाथ ने भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''यहां (छत्तीसगढ़ में) सरकार लव जिहाद और धर्मांतरण की गतिविधियों पर चुप है। यहां हर तरह से ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह कोई 'सरकार' नहीं है, बल्कि यह एक 'समस्या' बन गई है। कांग्रेस अपने आप में एक समस्या बन गई है। जल्द से जल्द इस समस्या से छुटकारा पाएं और छत्तीसगढ़ के सपनों को साकार करने में सहयोग करें।'' उन्होंने कोयला, शराब, खनन और लोक सेवा आयोग में कथित घोटालों को लेकर भी बघेल सरकार पर हमला बोला। भाजपा ने कोंटा सीट से सोयम मुका को मैदान में उतारा है। यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार मौजूदा विधायक और मंत्री कवासी लखमा हैं।

अरविंद केजरीवाल की पत्नी को HC से राहत, ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के खिलाफ दो मतदाता पहचान पत्र रखने के आरोप के मामले में शहर की एक अदालत द्वारा जारी समन पर रोक लगा दी।

इस बीच, सुनवाई की अगली तारीख तक विवादित आदेश पर रोक रहेगी। न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने तीस हजारी अदालत के आदेश के खिलाफ सुनीता केजरीवाल की याचिका पर यह बात कही। उच्च न्यायालय इस मामले की अगली सुनवाई १ फरवरी, २०२४ को करेगा। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सचिव हरीश खुराना की शिकायत पर २६ अगस्त को उनके खिलाफ समन जारी किया गया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि सुनीता केजरीवाल ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन किया है। चूंकि वह दो निर्वाचन क्षेत्रों साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में चांदनी चौक के मतदाता के रूप में नामांकित थीं। तीस हजारी अदालत में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अरजिंदर कौर ने २६ अगस्त को समन जारी किया, जिसमें कहा गया था कि इस अदालत की सुविचारित राय है कि प्रथम ष्टया आरोपी व्यक्ति सुनीता केजरीवाल पत्नी के खिलाफ मामला बनता है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५० की धारा ३१ के तहत दंडनीय अपराधों के कथित कमीशन के लिए अरविंद केजरीवाल। इसलिए, आरोपियों को तदनुसार बुलाया जाना चाहिए।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार से आवारा पशुओं की समस्या पर स्पष्टीकरण मांगा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में आवारा पशुओं की समस्या पर सोमवार को राज्य की भाजपा सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पूछा, "छुट्टा पशुओं के लिए भाजपा सरकार स्पष्टीकरण दे रू – भाजपा शासन में कितने लोग छुट्टा पशुओं की वजह से मारे गये या घायल हुए – छुट्टा पशुओं के कारण जिनकी मौत हुई, उनमें से कितनों को मुआवजा दिया गया और कितना दिया गया?" उन्होंने आगे पूछा, "जो गौशालाएं खोली गयीं हैं उनमें कुल कितने छुट्टा पशु हैं, गौशालाओं के काम का आंकलन कब किया गया और उसके क्या परिणाम

निकले? अधिकतर गौशालाओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गयी?" यादव ने यह सवाल भी किया कि इस समस्या से निपटने के लिए नियुक्त किये गये अधिकारियों ने क्या किया। उन्होंने कहा ''चुनाव के बाद इस समस्या का पंद्रह दिन में समाधान निकालने की जो बात की गयी थी वह वचन था या जुमला ?" वर्ष २०२२ के विधानसभा चुनावों के दौरान, भाजपा नेताओं ने सरकार बनने के १५ दिनों के भीतर, आवारा पशुओं की समस्या का समाधान निकालने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उस चुनाव में इस समस्या का जिक्र किया था। यादव ने अयोध्या से समाचार की एक रिपोर्ट भी पोस्ट की जिसका शीर्षक है, ''छुट्टा घूम रहे २५०० यमराज ''।

पीलीभीत में महिला ने पति समेत तीन आरोपियों के विरुद्ध सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के सुनगढ़ी थाना पुलिस ने कथित तौर पर एक महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में उसके पति समेत तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सोमवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। सुनगढ़ी कोतवाली

के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजीव कुमार शुक्ल ने पत्रकारों को बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर उसके पति सहित तीन लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर शिकायत की थी। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर सुनगढी कोतवाली थाने में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी। प्राथमिकी में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसकी शादी २०१८ में जहानाबाद थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक से हुई थी और उसका पति पेशे से ट्रक चालक है। उसने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसका पति अप्राकृतिक संबंध बनाकर परेशान करने लगा। आरोप में कहा गया है कि पति अक्सर देह व्यापार करने के लिये दबाव बनाता था और साथ ही प्रतिदिन पांच हजार रुपये कमा कर लाने की बात भी कहता था, और इनकार करने पर वह मारपीट भी करता था। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के हवाले से बताया कि आठ अगस्त की रात को उसका पति अपने साथ दो युवकों को लेकर घर पर आया और उसके सामने ही ढाई–ढाई हजार रुपये की रकम लेकर दोनों युवकों से दुष्कर्म कराया। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर पति ने पिटाई की और देह व्यापार न करने पर तीन तलाक की धमकी दी। उसने पति को समझने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माना। एसएचओ ने कहा कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति सहित तीन के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच–पड़ताल शुरू कर दी है।

ईडी समन पर बवाल के बीच आप की हाई लेवल मीटिंग, विधायकों के साथ सीएम केजरीवाल कर रहे बात

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने अपनी पार्टी के विधायकों के साथ बैठक बुलाई। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधानसभा पहुंच गए हैं। यह मुलाकात जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पिछले हफ्ते दिल्ली शराब नीति मामले में उन्हें तलब किए जाने के बाद हुई है। ईडी ने कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए केजरीवाल को २ नवंबर को बुलाया था। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, आप नेता ने वित्तीय निगरानी संस्था के समन को यह कहते हुए नजरअंदाज कर दिया कि ये अवैध और राजनीति से प्रेरित थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया था कि समन भाजपा के अनुरोध पर भेजा गया था। केजरीवाल को ईडी ने उसी मामले में तलब किया था, जिसके परिणामस्वरूप इस साल फरवरी में उनके पूर्व डिप्टी मनीष सिसोदिया और ४ अक्टूबर

को आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी हुई थी। अप्रैल में दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केजरीवाल से लगभग नौ घंटे तक पूछताछ की थी। १ नवंबर को केजरीवाल की पार्टी ने आरोप लगाया कि २०२४ के लोकसभा चुनावों से पहले भारत गठबंधन के प्रमुख नेताओं को निशाना बनाने की भाजपा की योजना के तहत दिल्ली के मुख्यमंत्री गिरफ्तार होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। दिल्ली सरकार की २०२१–२२ के लिए अब समाप्त की गई उत्पाद शुल्क नीति की जांच ईडी और सीबीआई द्वारा की जा रही है। इसने कथित तौर पर कुछ शराब डीलरों का पक्ष लिया था। केंद्रीय जांच एजेंसियों के अनुसार, इस नीति के परिणामस्वरूप गुटबंदी हुई और शराब लाइसेंस के लिए अयोग्य लोगों को मौद्रिक लाभ दिया गया। हालांकि, केजरीवाल और उनकी पार्टी ने आरोपों से इनकार किया है और दावा किया है कि नई नीति से राजस्व हिस्सेदारी में वृद्धि होगी।

कांग्रेस ने राजस्थान के लिए २१ उम्मीदवारों की आखिरी सूची जारी की, धारीवाल को टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को २१ उम्मीदवारों की सातवीं और आखिरी सूची जारी कर दी। इसमें सबसे प्रमुख नाम कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल का है, जिन्हें एक बार फिर से कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के मुताबिक, धारीवाल को कोटा उत्तर और राजस्थान सरकार की मंत्री जाहिदा खान को कामा से टिकट दिया गया है। धारीवाल के टिकट को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई थी। पार्टी ने राज्य सरकार के अन्य मंत्री महेश जोशी का टिकट शनिवार को काट दिया था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले धारीवाल और जोशी वे दो प्रमुख नेता है, जिन्हें २०२२ में कांग्रेस विधायक दल की बैठक से अलग एक समानांतर बैठक बुलाने का जिम्मेदार माना जाता है। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने इसे अनुशासनहीनता बताया था। पार्टी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के विश्वासपात्र और राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ का टिकट काट दिया है। धारीवाल और राठौड़ राज्य के उन तीन वरिष्ठ नेताओं में से थे, जिनके खिलाफ पार्टी की अनुशासन समिति ने नोटिस जारी किया था, क्योंकि वे राज्य में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे और पिछले साल धारीवाल के आवास पर विधायकों की एक समानांतर बैठक आयोजित की थी। इस बैठक को मुख्यमंत्री के रूप में गहलोत के उत्तराधिकारी को तय करने के लिये बुलाया गया था क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पार्टी अध्यक्ष पद की दौड़ में थे। धर्मेंद्र राठौड़ अजमेर उत्तर सीट से टिकट मांग रहे थे। कांग्रेस ने इस सीट से महेंद्र सिंह रलावता को मैदान में उतारा है। तीसरे नेता महेश जोशी, जिन्हें पार्टी की अनुशासन समिति ने नोटिस जारी किया था, उन्हें पहले ही विधानसभा चुनाव के लिए टिकट देने से इनकार कर दिया गया है। उनकी जगह हवामहल से आरआर तिवारी को मैदान में उतारा गया है। ताजा सूची में, पार्टी ने सात मौजूदा विधायकों जितेंद्र सिंह, परसराम मोर्डिया, लालचंद कटारिया, गिर्राज मलिंगा, पृथ्वीराज, हेमाराम चौधरी और रामनारायण मीणा का पत्ता काट दिया है। लालचंद कटारिया और हेमाराम चौधरी गहलोत सरकार में मंत्री हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के करीबी चौधरी पहले ही चुनाव

नहीं लड़ने की इच्छा जता चुके हैं। उनके स्थान पर पार्टी ने सूची जारी होने से कुछ ही घंटे पहले भाजपा से पार्टी में लौटे कर्नल सोनाराम चौधरी को गुढ़ा मलानी से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया है। सूत्रों ने बताया कि लाल चंद कटारिया भी झोटवाड़ा से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे, जहां से पार्टी ने अभिषेक चौधरी को टिकट दिया है। अभिषेक चौधरी नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन अ फ इंडिया (एनएसयूआई) के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनके नाम की घोषणा होते ही उनके समर्थकों ने राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर पटाखे फोड़कर जश्न मनाना शुरू कर दिया। बाड़ी से प्रत्याशी घोषित होने से पहले भाजपा में शामिल हुए मौजूदा विधायक गिर्राज मलिंगा की जगह कांग्रेस ने बाड़ी से प्रशांत सिंह परमार को अपना उम्मीदवार बनाया है। जिन चार विधायकों को चुनाव के लिए टिकट मिला है, उनमें वेद प्रकाश सोलंकी (चाकसू), जाहिदा खान (कामां), शांति धारीवाल (कोटा उत्तर) और निर्मला सहरिया (किशनगंज) शामिल हैं। वेद प्रकाश सोलंकी भी पायलट के करीबी हैं। व्यापक विरोध के बावजूद पार्टी ने जाहिदा खान को टिकट दिया है। उनके निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनका टिकट काटने की मांग को लेकर उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। हालांकि, पार्टी ने विरोध को नजरअंदाज करते हुए एक बार फिर उन्हें उम्मीदवार बनाया। सूची में अन्य उम्मीदवारों में भगवान राम सैनी (उदयपुरवाटी), मनीषा गुर्जर (खेतड़ी), जगदीश घनोडिया (धोद), घनश्याम मेहर (टोडाभीम), महेंद्र सिंह रलावता (अजमेर उत्तर), हरेंद्र मिर्धा (नागौर), तेजपाल मिर्धा (खींवसर), हरि मेवाड़ा (सुमेरपुर), सुरेंद्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़), नरेंद्र कुमार रैगर (शाहपुरा), चेतन पटेल (पीपल्दा), राखी गौतम (कोटा दक्षिण), महेंद्र राजोरिया (रामगंज मंडी) और राम लाल चौहान (झालरापाटन)। कांग्रेस ने नागौर विधानसभा क्षेत्र से हरेंद्र मिर्धा को उम्मीदवार बनाया है। वह इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार और मिर्धा परिवार की एक अन्य सदस्य ज्योति मिर्धा को चुनौती देंगे। ज्योति मिर्धा कुछ सप्ताह पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। कांग्रेस ने २०० सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के लिए कुल १९९ उम्मीदवार घोषित किए हैं। कांग्रेस में भरतपुर विधानसभा सीट राष्ट्रीय लोकदल के लिए छोड़ दी है। राज्य की २०० सदस्यीय विधानसभा के लिए २५ नवंबर को मतदान होगा और मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

जिला प्रशासन ने शुरू की हर घर नेकी की दीवार, वंचितों तक खुशी पहुंचाने की अनूठी पहल

गोंडा। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर गोंडा जिला प्रशासन ने दीपावली पर गरीबों और वंचितों को खुशी देने के इरादे से रविवार को एक विशेष अभियान हर घर नेकी की दीवार की शुरुआत की। लखनऊ में जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक गरीबों और वंचितों के लिए कार्य कर रही योगी आदित्यनाथ की सरकार की पहल पर गोंडा जिला प्रशासन की ओर से वहां हर घर नेकी की दीवार नाम से विशेष अभियान शुरू किया गया है। गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने रविवार को जिले में इस अनूठी पहल की शुरुआत की। 'हर घर नेकी की दीवार' नाम से शुरू इस विशेष अभियान के तहत लोगों के घरों की अनुपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की पहल की गयी है। नगर पालिका परिषद, करनैलगंज से रविवार को इसकी शुरुआत की गयी। नेहा शर्मा के हवाले से जारी बयान में कहा गया, ''दीपावली पर हम सभी अपने–अपने घरों की सफाई करते हैं। इस दौरान तमाम ऐसे सामान भी निकलते हैं जिनका अब इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इनमें, पुराने कपड़े, पुराने कंबल, जूते, बच्चों के खिलौने, पुराने बर्तन जैसे कई अन्य निष्प्रयोज्य वस्तुएं हो सकती हैं। इन्हें जनपदवासी फेंकने के बजाए अपने करीब की नगर पालिका, नगर पंचायत या

ग्राम पंचायत में बनी नेकी की दीवार में दान कर दें, ताकि किसी गरीब और वंचित को इसका लाभ मिल सके और उसके जीवन में इस त्योहार पर रोशनी लाई जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान के अन्तर्गत जनपद की सभी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत से लेकर ग्राम पंचायत तक में विशेष केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन्हें नेकी की दीवार नाम दिया गया। इन केंद्रों पर आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोग अपने घरों की निष्प्रयोज्य वस्तुएं दे सकेंगे। उनके द्वारा दी गई वस्तुओं का रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इन केंद्रों से कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति अपनी आवश्यकता के अनुसार वस्तुओं को ले सकेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि दीपावली तक इस विशेष अभियान को चलाया जाएगा। इस दौरान जनपद वासियों को सहूलियत प्रदान करने के लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाने के साथ ही हेल्पलाइन नम्बर (०५२६२–२३०१२५) भी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि यह सेवा सुबह सात बजे से रात १० बजे तक उपलब्ध रहेगी। इस हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके लोग अपने निकट में स्थापित 'नेकी की दीवार' के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों से सम्पर्क कर सकेंगे। बयान के अनुसार इस अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और जनपद वासियों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किए जाने की भी योजना है।

बस ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर : दो युवकों की मौत

सुलतानपुर। सुलतानपुर जिले के कोतवाली नगर क्षेत्र में सब्जी मंडी के पास ओवरब्रिज पर एक रोडवेज बस की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि रविवार की शाम शहर से अमहट की ओर जा रही सुलतानपुर डिपो की एक बस ने सामने से आ रही एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस घटना में मोटरसाइकिल सवार युवकों संदीप शर्मा (३२) और संतोष शर्मा (२६) की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि घटना के बाद बस चालक फरार हो गया और उसकी तलाश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने बस और मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि दोनों युवक अपनी मौसी के तेरहवीं संस्कार में शिरकत करके घर लौट रहे थे।

सांप के जहर मामले में एल्विश यादव की भूमिका की जांच कर रहे पुलिस उपनिरीक्षक का तबादला

नई दिल्ली। यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ अवैध रूप से सांप के जहर की बिक्री के मामले की जांच कर रहे नोएडा पुलिस के एक उपनिरीक्षक का तबादला कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नोएडा के सेक्टर–४९ पुलिस थाने के प्रभारी उपनिरीक्षक संदीप चौधरी का पुलिस लाइन्स में तबादला कर दिया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने रविवार रात को बताया, ''नोएडा, सेक्टर–४९ के थाना प्रभारी का पुलिस थाना क्षेत्र के तहत अपराध पर प्रभावी रूप से नियंत्रण लगाने में उनकी अक्षमता के कारण रिजर्व पुलिस लाइन में तबादला कर दिया गया है।'' नोएडा पुलिस ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ओटीटी रियलिटी शो 'बिग बॉस' के विजेता एल्विश यादव समेत छह लोगों के खिलाफ रेव पार्टी में कथित तौर पर सांप के जहर का इस्तेमाल करने के लिए तीन नवंबर को वन्यजीव (संरक्षण) कानून और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के अनुसार, तीन नवंबर को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच कोबरा समेत नौ सांपों को छुड़ाया गया और सांप का २० मिलीलीटर संदिग्ध जहर भी बरामद किया गया। पुलिस ने कहा कि वे पूरे प्रकरण में यादव की भूमिका की जांच कर रहे हैं। यादव तीन नवंबर को घटनास्थल नहीं पाया गया था। यूट्यूबर ने अपने खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया और पुलिस जांच में सहयोग करने की बात कही। यह मामला पशु अधिकार समूह पीएफए (पीपुल फॉर एनिमल्स) के एक अधिकारी की शिकायत पर दर्ज किया गया। पीएफए अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता मेनका गांधी ने अवैध रूप से सांप का जहर बेचने में एल्विश यादव

की संलिप्तता का आरोप लगाया और उसे तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। राजस्थान के कोटा में चार नवंबर को पुलिस ने यादव (२६) को उस वक्त पूछताछ के लिए कुछ देर रोका था जब वह अपने मित्रों के साथ एक कार में यात्रा कर रहे थे। कोटा में स्थानीय पुलिस ने बताया कि यह पता चला है कि नोएडा में उनके खिलाफ एक मामला दर्ज है और इसलिए नोएडा पुलिस से संपर्क किया गया था। सुकेत पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी विष्णु सिंह ने बताया कि नोएडा पुलिस के अधिकारियों ने राजस्थान पुलिस को पुष्टि की कि मामले की जांच की जा रही है लेकिन यादव ''वांछित नहीं'' है।

अद्भुत पर्वत : परियों वाला पर्वत

अमरेन्द्र सहाय अमर

दुनिया की तमाम संस्कृतियों, कला और साहित्य में कुछ ऐसी रहस्यमय और तर्क से परे चीजें हैं जिन्हें हमने देखा तो नहीं, लेकिन जो अनंत काल से हमारी सोच और जीवन की हिस्सा रही हैं. देवदूत, राक्षस, शैतान और परियां उनमें शामिल हैं उनमें से परियों ने हमारी कल्पनाओं को सबसे ज्यादा उड़ान दी है. स्त्रियों की सी शक्ल–सूरत लेकर किसी दूसरे लोक से आने वाली, अपनी जादुई शक्ति के बल पर पंखों से ऊंची उड़ान भरने वाली, छोटे कद और असीम सौन्दर्य वाली शर्मीली परियां हमेशा से बच्चों का ही नहीं, बड़े लोगों और दुनिया भर के साहित्यकारों की कल्पनाओं का भी अहम हिस्सा रही हैं. परी मतलब एक ऐसी अलौकिक प्राणी जो बच्चों को बेहद प्यार करती हैं. उनका मन बहलाने के लिए हाथ पकड़ कर उन्हें रहस्यमय परीलोक की सैर पर ले जाती हैं. बेसहारा, दुखी बच्चों और भले लोगों को मदद और दुष्टों को दंड देती हैं. परियां हर युग में स्त्री सौन्दर्य का प्रतिमान भी रही हैं. विज्ञान परियों को मानवीय फंतासी मानता है. ईश्वर, देवी–देवताओं, परलोक, राक्षस, शैतान, प्रेतात्माओं और स्वर्ग–नरक की तरह मानव मन की अनूठी कल्पनाओं में से एक। उसके अनुसार परियों की कल्पना के पीछे आदिकाल से लोगों में चला आ रहा यह विश्वास है कि दुनिया की सभी चीजों – हवा, जंगल, पेड़, फल–फूल, नदी, झरनों, पहाड़ों, पत्थरों और यहां तक कि परछाईयों तक में आत्मा है जो हमारे जीवन को प्रभावित और नियंत्रित कर सकती है. कालान्तर में हमें प्रभावित कर सकने वाले प्रकृति के इन सभी अवदानों का लोगों ने मानवीयकरण किया. परियां मानवीकरण की इसी प्रक्रिया की उपज हैं. यह बात सही तो लगती है, लेकिन यह सवाल तो तब भी अनुत्तरित रह जाता है कि परियां अगर वाकई कल्पना की उड़ान हैं तो यह कैसे संभव हुआ कि प्राचीन दुनिया में जब लोगों के बीच कोई आपसी संपर्क नहीं था तब परियों की लगभग एक जैसी कथाएं एक साथ दुनिया भर की लोकगाथाओं, गीतों, कल्पनाओं, स्वप्नों और साहित्य का हिस्सा कैसे बन गईं ? परग्रही प्राणियों के शोधकर्ता मानते हैं कि परियां प्राचीन काल में दूसरे ग्रहों से धरती पर आने वाले एलियन थीं जिनकी उड़ने की क्षमता और मानवेत्तर शक्तियों के आगे लोग नतमस्तक हुए कालान्तर में मौखिक परंपरा से परियों के रूपरंग के साथ उनकी दयालुता, निश्छल बाल प्रेम, असाधारण शक्तियों और चमत्कार के किस्से–दर–किस्से जुड़ते चले गए. परामनोविज्ञान मानता है कि परियां हमारी पृथ्वी के वातावरण में रहने वाली दूसरे आयामों की जीव हैं. उत्तराखंडअपनी सुन्दरता और धार्मिक महत्व के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है. लेकिन या बात बहुत कम ही लोग जानते हैं कि यहाँ एक ऐसी जगह है जहाँ परियां निवास करती हैं. हम बात कर रहे हैं खैट पर्वतकी. यह पर्वत समुद्र तल से १०,००० फीट की ऊँचाई पर है. रहस्यमयी खैट पर्वत घनसाली इलाके में स्थित थात गाँव से लगभग पाँच किलोमीटर की दूरी पर है. कहते हैं खैट पर्वत किसी जन्नत से कम नहीं. लोग कहते हैं यहाँ आज भी लोगों को अचानक से परियों के दर्शन हो जाते हैं. स्थानीय लोगों की मान्यता है कि खैट पर्वत की परियां गाँव की रक्षा करती हैं. खैट पर्वत इसलिए भी रहस्यमयी माना जाता है क्योंकि यहाँ साल भर फल और फूल मिलते हैं.. अगर इन फल फूलों को कही अन्यत्र ले जाय जाय तो यह जल्द खराब हो जाते हैं. खैट पर्वत क्षेत्र में अखरोट और लहसुन की खेती अपने आप होती है. अखरोट के बागन लुकी पीडी पर्वत पर बने माँ बराडी के मंदिर के गर्भ जोन गुफा के करीब ही हैं.ठाट गाँव के पास एक खैटखाल मंदिर है जिसे रहस्यमयी शक्तियोंका केंद्र माना जाता है. आस पास के लोग इसे परियों या आछरियों के मंदिर के रूप में पूजते हैं. हर साल जून के महीने में यहाँ मेला लगता हैऔर परियों के पूजा की जाती है. यहभी कहा जाता है.परियों को चटकीला रंग, शोर, तेज संगीत पसंद नहीं इसलिए यहाँ यह सब चीजें प्रतिबंधित हैं. अमेरिका की मैसासयुसेट्स विश्वविद्यालय ने इस पर्वत पर एक शोध किया था. इस शोध में उन्होंने पाया कि, यहां कुछ ऐसी शक्ति है, जो अपनी ओर आकर्षित करती है. मान्यता है कि, इस पर्वत पर ६ परियां रहती हैं. जिन्हें स्थानीय भाषा में आछरियां कहते हैं. सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि, यहां अनाज कूटने वाली ओखलियां जो समतल पर बनी होती है, खैट पर्वत पर ये ओखलियां दीवारों पर बनी हैं. सदियों पहले टिहरी गढ़वाल के चौदाण गांव में राजा आशा रावत का राज हुआ करता था. राजा की छह पत्नियां थी, लेकिन उनका कोई पुत्र नहीं था. राजा इससे बेहद बहुत परेशान रहने लगे थे. राजा की परेशानी देखकर उनकी पहली पत्नी ने कहा कि आप राजा हो तो आप सातवां विवाह कर सकते हो. इसके बाद राजा आशा रावत पास ही के थात गांव गए तो वहां दीपा पवार नाम के एक शख्स ने उनकी खूब खातिरदारी की. दीपा पवार ने जब राजा साहब से थात गांव आने का कारण पूछा तो राजा ने कहा, मैं आपकी छोटी बहन देवा से शादी करना चाहता हूं. ये सुन कर पूरा गांव उत्साहित हो उठा. इसके बाद राजा का विवाह देवा से हो गया और देवा चौदाण रानी बन गईं. इसके कुछ समय बाद रानी देवा ने एक के बाद एक पूरे ६ बच्चों को जन्म दिया, जिनका नाम राजा ने कमला रौतेली, देवी रौतेली, आशा रौतेली, वासदेइ रौतेली, इगुला रौतेली, बिगुल रौतेली, सदेइ रौतेली, गरादुआ रौतेली और वरदेइ रौतेली रखा था. आशा रावत और रानी देवा की ये बेटियां आम बच्चों की तरह नहीं थी, बल्कि चमत्कार से कम नहीं थीं. १२ वर्ष की उम्र तक सभी बेहद सुंदर दिखने लगी थीं. कहा जाता है कि एक रात सभी बहनें गहरी नींद में सोई हुई थीं इस दौरान उनके सपने में सेम नागराज आए और उन्होंने सभी बहनों को अपनी रानी बना लिया. लेकिन जब सुबह उठते ही सभी बहनें जल स्रोत गईं तो उन्होंने देखा कि उनके गांव में अंधेरा पसरा पड़ा है जबकि ऊंचे पर्वतों पर धूप खिली हुई है. सूरज की इसी तलाश में जब सभी बहनें खैट पर्वत पहुंचीं तो आंछरीयानि परियां बन गईं. स्थानीय लोगों की मान्यता है कि ये आज भी खैट पर्वत पर परियां बनकर घूमती हैंदरअसल, उत्तराखंड में कुल देवता को प्रसन्न करने की पूजा विधि के दौरान भी राजा आशा रावत और रानी देवा की बेटियों का आंछरी बनाने की ये कहानी उल्लेखित होती है. इसलिए भी इस कहानी को सच माना जाता है और खैट पर्वत को परियां का देश कहा जाता है।

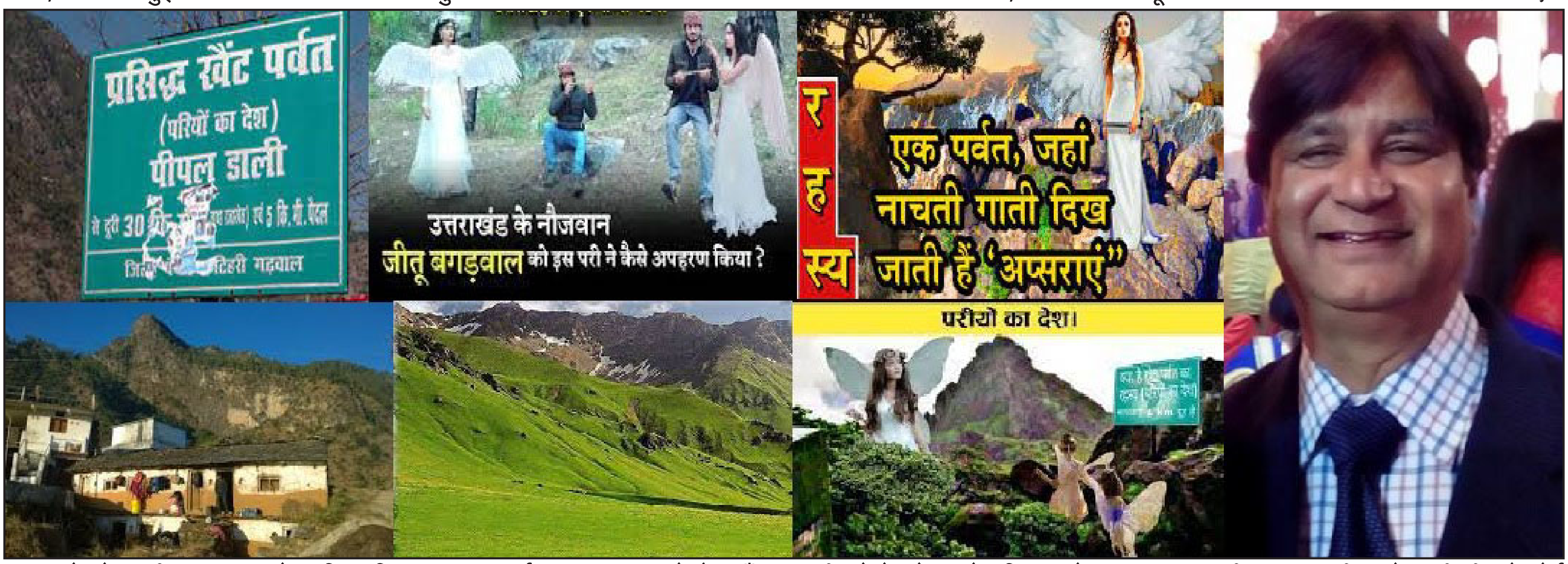

ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसने से डॉक्टर की मौत

आगरा। आगरा के एक सर्जन की ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस जाने से मौत हो गई। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने यह जानकारी दी है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जीआरपी के मुताबिक, आगरा के गैलाना रोड पर रहने वाले लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. लाखन सिंह गालव केजीएमयू, लखनऊ से एमबीबीएस कर अपनी बेटी को रविवार सुबह महाकौशल एक्सप्रेस में बैठाने के लिए राजा की मंडी स्टेशन गए थे। एक जीआरपी अधिकारी ने बताया कि सुबह सात बजे महाकौशल एक्सप्रेस राजा की मंडी स्टेशन पर पहुंची, जिसके

बाद उन्होंने बेटी को एसी कोच में बैठाया। अधिकारी के मुताबिक, इसी दौरान ट्रेन चलने लगी और वह द्वार पर आ गए, ट्रेन से उतरते वक्त उनका पैर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में फंस गया और ट्रेन चलने लगी। अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने शोच मचाया, लेकिन तब तक ट्रेन चल चुकी थी और उसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस संबंध में जीआरपी आगरा कैंट प्रभारी समर बहादुर सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद डॉक्टर का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

सरकार ने ईडी के अनुरोध पर महादेव ऐप सहित २२ अवैध सट्टेबाजी ऐप पर रोक लगाई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुरोध पर महादेव ऐप और रेड्डीअन्नाप्रेस्टोप्रो

सहित २२ अवैध सट्टेबाजी मंचों पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसा करने का अधिकार होने के बावजूद इन मंचों पर रोक लगाने का अनुरोध नहीं किया। बयान में कहा गया है, "इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने महादेव बुक और रेड्डीअन्नाप्रेस्टोप्रो सहित २२ अवैध सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइट पर रोक लगाने के अदेश जारी किए हैं।

डायल ११२ के बाहर महिला कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी के शहीद पथ स्थित डायल ११२ के बाहर महिला कर्मचारियों ने सोमवार को हंगामा किया है। कर्मचारी वेतन बढ़ाने और अ फर लेटर की मांग कर रही थीं। महिला कर्मचारियों का आरोप था कि चार साल में एक बार भी उनकी सैलरी नहीं बढ़ाई गई। उन्होंने मांग रखी है कि दीपावली त्योहार से पहले उनकी सैलरी बढ़ाई जाये। साथ ही उन्हें अ फर लेटर दिया जाये। महिला कर्मचारियों के प्रदर्शन के चलते डायल ११२ का कार्य भी प्रभावित हुआ है। महिला कर्मचारियों ने बताया कि हम सभी रोजाना ६ घंटे काम करते हैं, लेकिन सैलरी

के नाम पर महज १२ हजार रूपये मिलते हैं। चार साल से सैलरी नहीं बढ़ी है। जबकि ७५ जिलों से आने वाली लोगों की क ल को सुनते हैं। उसके बाद पुलिस की मदद मुहैया कराते है। कई बार सैलरी बढ़ाने की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके अलावा काम तो यहां कर रहे है,लेकिन ऑफर लेटर तक नहीं मिला है। ऐसे में सभी की मांग है कि त्योहार से पहले हमारी सैलरी बढ़ाकर १८ हजार किया जाये। साथ ही ऑफर लेटर भी दिया जाये।

पूर्व आईएएस अधिकारी नेपाल सिंह रवि का निधन

लखनऊ। डेंगू से पीड़ित पूर्व आईएएस नेपाल सिंह रवि की निध ान हो गया है। यूपी कैडर के १९८४ बैच के आईएएस नेपाल सिंह रवि प्रदेश में कई महत्वपूर्ण पदों पर तैनात रहे हैं। बताया जा रहा है कि २५ अक्टूबर को राजधानी स्थित टेंडर प म हजूस्पिटल में उन्हें भर्ती कराया गया था। उनका एंटीजन टेस्ट प जिटिव आया था। जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गौरतलब है कि राजधानी में डेंगू थमने का नाम नहीं ले रहा है। सितम्बर माह के आखिरी सप्ताह से राजधानी में लगातार डेंगू से पीड़ित मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी हुआ था। जो आज तक जारी है। बीते एक महीने से रोजाना आने वाली जांच रिपोर्ट में लगातार ३५ से अधिक मरीज डेंगू से पीड़ित मिल रहे हैं।

‘टाइगर ३’ फिल्म की टिकटों की अग्रिम बुकिंग शुरू

मुंबई। फिल्म निर्माण कंपनी ‘यशराज फिल्म्स’ (वाईआरएफ) ने दीपावली पर रिलीज होने वाली सलमान खान और कैटरीना कैफ

अभिनीत फिल्म ‘टाइगर ३’ की टिकटों की अग्रिम बुकिंग रविवार को शुरू कर दी। मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म ‘टाइगर ३’ १२ नवंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें इमरान हाशमी भी नजर आएंगे। वाईआरएफ ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच श्एक्सश् पर लिखा, ‘‘उल्टी गिनती शुरू हो गई है, ‘टाइगर ३’ के आने में एक सप्ताह का वक्त बचा है। फिल्म १२ दिसंबर यानी रविवार को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी। टिकटों की अग्रिम बुकिंग शुरू हो गई है। अभी बुक करें।श् उसने पहले बताया था कि देशभर में ‘टाइगर ३’ के लिए शो सुबह सात बजे से शुरू होंगे। ‘टाइगर ३’ में शाहरुख खान अभिनीत फिल्म ‘पठान’ से आगे की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म वाईआरएफ के ‘स्पाई यूनिवर्स’ (जासूसों की दुनिया) की पांचवीं फिल्म है जिसकी परिकल्पना बैनर के प्रमुख आदित्य चोपड़ा ने की है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lat; cktisbZ

lhrkiqj

ek-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lqj'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dqekj] fcgkj

ek-09386075289

मो० अरशद

C;qjks phQ

eऊ

अभिनेत्री रश्मिका काट-छांट करके बनाए गए वीडियो से आहत अमिताभ बच्चन ने की कानूनी कार्रवाई की मांग

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने खुद के काट–छांट करके बनाए गए वीडियो (डीपफेक वीडियो) के वायरल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए सोमवार को कहा कि यह ‘बहुत डरावना’ है कि तकनीकी का दुरुपयोग किया जा रहा है, फिल्म ‘गुडब य’ में मंदाना के सह कलाकार अमिताभ बच्चन ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ‘डीपफेक’ एक डिजिटल विधि है जिसके तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करके उपयोगकर्ता किसी व्यक्ति की छवि को किसी दूसरे व्यक्ति की छवि से आसानी से बदल सकता है। तथ्य की जांच करने वाले एक व्यक्ति ने ब्रिटिश–भारतीय सोशल मीडिया

हस्ती जारा पटेल के मूल वीडियो के साथ ‘डीपफेक वीडियो’ क्लिप को पोस्ट किया और उन्होंने भारत में ‘डीपफेक’ से निपटने के लिए एक कानूनी और नियामक ढांचे की तत्काल आवश्यकता की मांग की। बच्चन इस पर प्रतिक्रिया देने वाले पहले व्यक्ति थे। बच्चन ने कहा, ‘‘हां यह कानून (कार्रवाई के लिहाज से) मजबूत मामला है।’’ मंदाना ने इंस्टाग्राम के माध्यम से भी अपनी चिंता व्यक्त की। मंदाना ने कहा कि वह वीडियो देखकर ‘वास्तव में आहत’ हुईं, जिसमें एक लिफ्ट के अंदर कसरत करने के दौरान पहनी जाने वाली काले रंग की परिधान (वनसी) में एक महिला को दिखाया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके इस महिला के चेहरे में छेड़छाड़ करके इस तरह बनाया गया है कि वह मंदाना की तरह दिखे।

बिग बॉस १७ में ईशा मालविया हुई बॉयफ्रेंड समर्थ जुरेल के साथ रात को इंटीमेट, मां–बाप ने कहा– शो छोड़कर वापस घर आए एक्ट्रेस

मुम्बई। बिग बॉस १७: लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस १७ में एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, अभिनेता और प्रतियोगी ईशा मालविया सभी गलत कारणों से सुर्खियां बटोर रही हैं। कथित तौर पर उनकी मां शो में उनके प्रदर्शन और साथी प्रतियोगी समर्थ जुरेल के साथ उनके उभरते रिश्ते को लेकर हुए विवाद से बहुत परेशान हैं। घर में कंबल के नीचे इंटीमेट होते नजर आए ईशा मालविया और समर्थ जुरेल की जमकर आलोचना हो रही है। लवबर्ड्स के लिए काफी शर्मिंदगी की बात है, खासकर तब जब सलमान खान ने ईशा को घर में दोनों लड़कों, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल का ध्यान आकर्षित करने के लिए ईशा मालविया को डांटा था। अब नवीनतम अपडेट यह है कि ईशा के माता–पिता बिग बॉस १७ के घर में उसके कार्यकाल से बेहद परेशान और निराश हैं और चाहते हैं कि वह घर से बाहर आ जाए। हालाँकि, वे असहाय हैं और अनुबंध से बंध े हैं। उड़ारियां अभिनेता लोकेश बत्ता ने कथित तौर पर दावा

किया कि ईशा की मां को समर्थ के साथ उसके रिश्ते के बारे में पता नहीं था। इस कारण माता–पिता दोनों परेशान हैं और चाहते हैं कि वह शो से बाहर आ जाए। शो में ईशा की यात्रा में एक अप्रत्याशित मोड़ आया जब समर्थ जुरेल ने वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश किया। उसने शुरू में उसके साथ किसी भी तरह के रोमांटिक जुड़ाव से इनकार किया था, जिससे भ्रम पैदा हुआ और दर्शकों का गुस्सा भड़क उठा। यहां तक कि उनके पूर्व प्रेमी, अभिषेक कुमार, जो शो में एक प्रतियोगी भी हैं, ईशा के मिश्रित संकेतों से प्रभावित हुए थे, जब समर्थ ने घर में प्रवेश किया तो उनका दिल टूट गया क्योंकि ईशा ने उन्हें बतौर बॉयफ्रेंड एक्सेप्ट नहीं किया। स्थिति तब और बिगड़ गई जब शो में ईशा और समर्थ के शारीरिक रूप से अंतरंग होने का फुटेज वायरल हो गया, जिससे विवाद और भड़क गया। घटनाओं के इस मोड़ ने ईशा की मां और जाहिर तौर पर कई दर्शकों को उसके कृत्य से निराश कर दिया है। शो ‘उडारियां’ में ईशा के साथ काम करने वाले पूर्व सह– कलाकार लोकेश भट्टा ने खुलासा किया है कि ईशा की मां चाहती हैं कि उनकी बेटी अपने असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण शो छोड़ दे। भट्टा ने कहा, ‘उनकी मां ने यह भी खुलासा किया कि वे समर्थ के साथ ईशा की शारीरिक निकटता से ठीक नहीं हैं। समर्थ की एंट्री के बाद वे पहले की तरह शो नहीं देख सकते।’ कथित तौर पर ईशा के माता–पिता शो में उसकी हरकतों से निराश और व्यथित हैं। उनके पिता, जो एक सरकारी फर्म में काम करते हैं, इस भावना से सहमत हैं, लेकिन संविदात्मक दायित्व ईशा को शो छोड़ने से रोक सकते हैं, जिससे उनके माता–पिता बहुत परेशान हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक